# हिंदी दिवस (2023) : निबंध लेखन तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता रिपोर्ट

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल कॉलेज में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक **13 सितंबर, 2023** को निबंध लेखन तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन दोनों ही प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। प्रतियोगिता में पहला क्रम निबंध लेखन प्रतियोगिता का रखा गया, जिसका विषय 'राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी की चुनौतियां' था। तत्पश्चता वाद-विवाद का कार्यक्रम हुआ जिसमें हिन्दी ऑनर्स के अतिरिक्त अन्य विषयों के छात्र-छात्राओं ने भी 'क्या हिन्दी रोजगारोन्मुख भाषा है?' के पक्ष और विपक्ष में अपने-अपने मत प्रस्तुत किए। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर हिन्दी की बढ़ती हुई गति और स्थिति को देखते हुए इस तरह के महत्वपूर्ण विषय छात्रों के बीच अत्यंत रुचिकर होते हैं। हम देख रहे हैं कि आज हिन्दी सिर्फ पठन-पाठन तक सीमित नहीं रह गई है, अपितु यह रोजगार का साधन भी बन रही है। ऐसे अनेक सरकारी तथा निजी क्षेत्र हैं जहां पर हिन्दी का एक बड़ा बाजार बनता दिखाई दे रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए हिन्दी विभाग के प्रभारी डॉ राजकुमार प्रसाद ने हिन्दी को एक बड़े समूह की भाषा बताते हुए इसके सांस्कृतिक बोध की तरफ विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। हिन्दी दिवस के इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं में एक अलग ही रुझान दिखाई दिया। विद्यार्थियों ने हिन्दी की वर्तमान स्थिति तथा राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके सम्मुख क्या चुनौतियां हैं, पर अपनी एकल प्रस्तुति दी। 'राजभाषा के रूप में हिन्दी', 'अनुवाद के क्षेत्र में हिन्दी का प्रमुख स्थान', 'सिनेमा तथा टेलीविजन की भाषा के रूप में हिन्दी का चलन', 'विज्ञापन के क्षेत्र में हिन्दी का बढ़ता प्रभाव', 'इंटरनेट एवं सोशल मीडिया की भाषा हिन्दी', तथा 'विदेशों में हिंदी में अध्ययन-अध्यापन', आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सभी प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रकट किये।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में राजनीतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर विवेकानंद नर्तम मोतिराम ने सभी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए हिन्दी दिवस की बधाई डी। साथ ही हिन्दी की बढ़ती वैश्विक गति के बारे मे बताते हुए कहा कि 'दूसरे देशों को अब हिन्दी भाषा सीखने की जरूरत पड़ेगी।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए हिन्दी विभाग के ही एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सत्यप्रिय पाण्डेय ने भी हिन्दी की उपयोगिता बताते हुए कहा कि हमारे देश की भाषा हिन्दी है जबकि अंग्रेजी थोपी गयी भाषा है।

तत्पश्चात प्रभात शर्मा -एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग ने परिणामों की घोषणा की। साथ हपी उन्होंने हिन्दी को एक बड़े जनसंपर्क की भाषा भी कहा। कार्यक्रम में चयनित प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट तथा नकद पुरस्कार --प्रथम पुरस्कार राशि- 1500 रुपये, द्वितीय पुरस्कार राशि 1000 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार राशि 750 रुपये प्रदान की गयी। ज्ञातव्य है कि यह पुरस्कार राशि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रदान करायी गयी। इस कार्यक्रम में **60** से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया।